मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–019

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(एम. ए. हिंदी) (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी–019 : हिंदी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : *(i) कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए : 10

(क) 'सुनो भूदेव'

तुम्हारा कद

उसी दिन घट गया था

जिस दिन कि तुमने

न्याय के नाम पर

जीवन को चौखटों में कस

कसाईबाड़ा बना दिया था।

(ख) यदि यह विधान लागू हो जाता कि

तुम्हारे जीवन का कोई मूल्य नहीं

कोई भी कर सकता है तुम्हारा वध,

ले सकता है, तुमसे बेगार

तुम्हारी स्त्री, बहिन और पुत्री के साथ

कर सकता है बलात्कार

जला सकता है घर-बार

तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?

2. 'आज का रैदास' कविता की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 10

3. 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी में व्यक्त उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। 10

4. "परिवर्तन कहानी में चित्रित सामाजिक संरचना दलितों के लिए आज भी चिंतनीय है।" इस कथन के आलोक में दलित कहानी की संवेदना पर चर्चा कीजिए। 10

5. 'लटकी हुई शर्त' कहानी की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए। 10

6. 'सुमंगली' कहानी के आधार पर दलित स्त्री के शोषण का चित्रण कीजिए। 10

7. हिन्दी के प्रमुख दलित आत्मकथन में निहित संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

8. हिन्दी की दलित स्त्री के आत्मकथनों/संस्मरणों की विशेषताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन कीजिए। 10

× × × × ×